वार्षिक चन्दा 150 रुपए
एक प्रति 15 रुपए

चन्दे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें

संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-7/एच.आई.जी. 453,
अरेरा कॉलोनी, भोपाल 462 016
फोन : 0755-2463380
फैक्स : 0755-2461703
ई-मेल:srote@eklavya.in

स्रोत
विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स
website : www.eklavya.in

वर्ष - 1 अंक - 7
अगस्त 2007

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना

डेढ़ टन का महापक्षी!		
हमले से पहले चेतावनी देती है शार्क		2
ताकि कैंसर की दवा लक्ष्य तक पहुंचे		2
शरीर का अंग होगा आपका मेडिकल रिकॉर्ड		4
जब दवा ही दर्द बन जाए...!		4
मिला मांसाहारी 'कंगारू' का जीवाश्म		6
खरगोश के पिल्ले भोजन का समय जानते हैं		6
पर्यावरण मित्र प्लास्टिक		8
मुंह देखकर भाषा पहचान लेते हैं बच्चे		9
लीनियस की विरासत : सजीवों का वर्गीकरण	सुशील कुमार	10
पोषण की दोहरी समस्या से जूझता भारत	प्रेमा रामचंद्रन	12
निर्वात का भी इतिहास है	डॉ. सुशील जोशी	17
ये रटंत शालाएं और प्रवेश परीक्षाएं	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	21
वैक्सीन जिन्हें खाया जा सकेगा	एम.एस. राठौर, व एन.एस. शेखावत	23
महादानव डायनासौर के साम्राज्य का अन्त	डॉ. भोलेश्वर दुबे	25
जब मुंबई का मीठा पानी खारा हो जाएगा	प्रमोद भार्गव	28
कुछ लोग ज़्यादा ठोकरें खाते हैं		29
मत्स्याखेटः गेहूं के साथ पीसता घुन	आरोन सैविओ लोबो	30
कोशिकाओं में प्रोटीन बहुउद्देशीय माताएं	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	35
केरल के मसाला उद्यान	बिमल श्रीवास्तव	38
जल्दी ही लुप्त हो जाएंगे कई जीव जंतु		

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। स्रोत का मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।